MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That this House do appoint sarva-Shri Ragavalu Mohanarangam, Daulat Ram Saran and Hukam Deo Narain Yadav to the Joint Committee on the Bill to provide for the appointment of a Lokpal to inquire into allegations of misconduct against public men and for matters connected therewith in the vacancies caused by the resignations of sarveshri S. D. Somasundaram, Chand Ram and Arif Beg."

The motion was adopted.

---

15 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

EIGHTH REPORT

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): I beg to move:

"That this House do agree with the Eighth Report of the Business advisory Committee presented to the House on the 1st December, 1977."

The motion was adopted.

15.01 hrs.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL), 1977-78

THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING, (SHRI H. M. PATEL): I beg to present a statement showing Supplementary Demands for Grants in respect of the Budget (General) for 1977-78.

15.02 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED MIXING OF RAPE-SEED OIL IN MUSTARD OIL AND ADULTERATION OF VANASPATI WITH INJURIOUS OILS AND FATS.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour) Sir, under Rule 377, I wish to raise the following matter:—

Once again a big bungling in edible cooking medium is taking place.

The imported rape seed oil which was finding its way in abundance into mustard oil and being sold between Rs. 10 and Rs. 14 was being sold also as rape seed oil at the rate of Rs. 7.50 per kilo.

Due to failure on the part of concerned authorities, the edible oil reserves of STC in the north have touched a new low. This situation is being taken advantage of by the Vanaspati makers. It is reported that the Government is now being made to supply them the rape seed oil at the rate of Rs. 5.85 a kilo which means about Rs. 2.56 less than what it costs the Government and for this the exchequer is to pay to cover the loss of the STC. Besides taking advantage of the situation, most injurious oils and fats are being used as adultrants for production of Vanaspati. The makers of Dalda Vanaspati, i.e., the Hindustan Levers, one of the biggest multi-national corporation have been caught in Ghaziabad in processing adultrated til oil for which a case is pending before a court in U.P. Sometime ago, the makers of "RASUI" vanaspati, (Modi's was caught in Calcutta using linseed oil as an adultrant.

The Ministers of Commerce and Health may please be asked to make a statement on this serious issue.

(ii) DEMAND FOR WITHDRAWAL OF RESTRICTIONS ON REFUND OF DEPOSITS UNDER COMPULSORY DEPOSIT SCHEME.

श्री मनोहर लाल (कानपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, 25 जून, 1975 को इस देश में श्रीमती इन्दिरा गांधी और कांग्रेस ने इमर्जेन्सी का काला कानून पास किया था। इमर्जेन्सी के दौरान मजदूरों के लिए कम्पलसरी डिपाजिट

[श्री मनोहर लाल]

स्कीम लागू की गई थी और उनका बोनस का अधिकार छीन लिया गया था। जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद सी०डी०एस० को खत्म कर दिया गया और बोनस के अधिकार को रेस्टोर कर दिया गया। लेकिन सी०डी०एस० के तहत कर्मचारियों का जो पैसा जमा था, उसे वापस करने के सम्बन्ध में कुछ शर्तें लगा दी गई हैं, जिनके कारण कर्मचारियों को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, और बड़ा भ्रष्टाचार भी फैल रहा है। सरकार से मेरा निवेदन है कि जो शर्तें लगा दी गई हैं, उन्हें खत्म करने के सम्बन्ध में मंत्री महोदय एक स्टेटमेंट दें, जिससे कर्मचारियों का व्यापक असंतोष, और भ्रष्टाचार, खत्म हो और सी०डी०एस० के तहत जो पैसा जमा है, वह कर्मचारियों को वापस मिल सकें।

(iii) DACOIT MENACE IN THE CHAMBAL VALLEY

श्री छविराम अर्गल (मुरैना) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत चम्बल वैली में डाकू समस्या के पुनः पैदा होने की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

चम्बल नदी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और म०प्र प्रदेश, इन तीन राज्यों की सीमा बनाती है। चम्बल नदी के आस-पास का इलाका डाकुओं की वजह से बदनाम और पीड़ित था। माननीय लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने 1974 में डाकुओं का आत्म-समर्पण कराया। उसके बाद उस क्षेत्र के लोग शान्ति से जीवन व्यतीत करने और विकास-कार्यों में अपना ध्यान लगाने लगे थे। परन्तु खेद की बात है कि उस क्षेत्र में अब स्थिति फिर से बिगड़ गई है।

4-11-77 को परगना अम्बाह, जिला मुरैना के गांव रैपुरा में डाकुओं ने भयानक डकैती डाली। डाकुओं की गोली से एक महिला, सावित्री, की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई एवं डाकुओं की भयंकर गोलीबारी से नाहर सिंह, मायादेवी, दीपा राम, मथुरा सिंह, बैजनाथ सिंह, सिया दुलारी और मायादेवी आदि गम्भीर घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती हैं।

5-11-77 को किशोरगढ़ में डकैती पड़ी, जिसमें डाकू एक लाख रुपये का माल लूट कर ले गये। 6-11-77 को जौरा मुरैना रोड पर एक ट्रक के पहिये में गोली मार कर डाकुओं ने ट्रक के माल को लूट लिया। ग्वालियर में, जहां डी०आई०जी, एस०पी०, ए० आई० जी० और डी०एस०पी० रहते हैं, इंद्रगंज थाने के पास डकैती पड़ी। वह कमिश्नरी स्थान है। पुलिस के देखते-देखते डाकू माल लूट कर ले गये और एक आदमी की हत्या कर दी।

इस प्रकार की अनेक घटनायें हो रही हैं। चम्बल नदी के आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोग डाकुओं के भय से मुक्त और सुरक्षित हो गये थे। लेकिन अब वे पुनः यह महसूस करने लगे हैं कि उनका वहां रहना मुश्किल हो गया है। वहां पर हरिजन और आदिवासियों की अचल सम्पत्ति को दिन-दहाड़े लूटा जा रहा है। श्योपुर मुरैना में एक हरिजन महिला को जिन्दा जला दिया गया और वह एक मास से मरणासन्न अवस्था में अस्पताल में भर्ती है।

जनता पार्टी की सरकार और प्रधान मंत्री, श्री मोरारजी देसाई, ने यह घोषणा की है कि अगर कहीं हरिजनों तथा आदिवासियों पर अत्याचार या अन्याय होगा, तो वहां के एस०पी० और कलेक्टर को दोषी ठहराया जायेगा। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि इस प्रकार की जो घटनायें हो रही है,